अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 नवंबर, 2015

का. आ. 3047(अ).— जबकि आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 35 क ग के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के साथ पठित उपधारा (1) के अंतर्गत जारी की गई भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की दिनांक 17 नवंबर, 2009 की अधिसूचना सं. का. आ. 2907 (अ) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने "मानव मंदिर ट्रस्ट, के एच-57, जैन आश्रम, रिंग रोड, सराय काले खां, नई दिल्ली-110013" द्वारा "अनाथालय की मरम्मत तथा बिल्डिंग नवीनीकरण" की परियोजना को वित्तीय वर्ष 2009-10 से प्रारंभ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए एक पात्र परियोजना के रूप में क्रम सं. 7 पर अधिसूचित किया था और जिसे बाद में दिनांक 2.03.2013 की अधिसूचना सं. का.आ. 631 (अ) के तहत वित्तीय वर्ष 2014-15 को समाप्त होने वाली तीन वर्षों की अवधि के लिए और बढ़ा दिया गया था;

और जबकि उक्त परियोजना या स्कीम के छह वर्षों से अधिक चलने की संभावना है ;

और जबकि परियोजना लागत को 94.34 लाख रूपये से बढ़ाकर 239.34 लाख रूपये तक बढ़ाए जाने की संभावना है;

और जबकि सामाजिक और आर्थिक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए राष्ट्रीय समिति का यह समाधान हो जाने पर कि उक्त परियोजना अथवा स्कीम उपयुक्त रूप से निष्पादित की जा रही है, इस समिति ने आयकर नियमावली, 1962 के नियम 11 ड के उप-नियम (5) के अंतर्गत उक्त परियोजना अथवा स्कीम को अगले तीन वर्षों की अवधि के लिए बढ़ाने और परियोजना लागत को 94.34 लाख रूपए से 239.34 लाख रूपए तक बढ़ाने की सिफारिश की है ;

इसलिए, अब, केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 35 क ग के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतदद्वारा "मानव मंदिर ट्रस्ट, के एच-57, जैन आश्रम, रिंग रोड, सराय काले खां, नई दिल्ली-110013" द्वारा चलाई जा रही "अनाथालय की मरम्मत तथा बिल्डिंग नवीनीकरण" की परियोजना अथवा स्कीम को वित्तीय वर्ष 2015-16 से प्रारंभ होने वाले वर्ष से आगे तीन वर्षों की अवधि अर्थात 2015-16, 2016-17 और 2017-18 के लिए एक पात्र परियोजना अथवा स्कीम के रूप में अधिसूचित करती है और;

(ख) दिनांक 17 नवंबर, 2009 की उक्त अधिसूचना सं. का.आ. 2907(अ) को निम्नलिखित आशय के लिए और आगे संशोधित करती है नामत:-

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं. 7 के सामने तालिका में, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35कग के तहत कटौती के रूप में अनुमति दी जाने वाली लागत की अधिकतम राशि से संबंधित कालम (4) में "94.34 लाख रूपये" अक्षरों, अंकों और शब्दों को "239.34 लाख रूपये" अक्षरों, अंकों और शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[सं. 237/2015 /फा. सं. वी -27015/3/2015 एस ओ (एन. सी)]

मक्खन लाल मीना, उप सचिव(राष्ट्रीय समिति)